

केस प्रस्तुति – उत्तर

1. लीला को 30 नवम्बर को सुबह 8:20 पर बच्चा पैदा हुआ। प्रसव के समय 8 माह 5 दिन का गर्भकाल पूरा हो चुका था। शिशु का वजन 1 कि.ग्रा 950 ग्रा. था। शिशु पहले 6 दिनों तक बिल्कुल ठीक था।

शिशु जन्म के समय ठीक था या खतरे वाला ? खतरे वाला

क्यों ? क्यों कि, समय से पूर्व जन्मा (8 महीने 14 दिन के गर्भकाल से कम में) और कम वजन का (2 कि.ग्रा. से कम)

जन्म के बाद 28 दिनों तक आप शिशु को देखने कितनी बार जाएँगी ? 13

प्रसव के समय आप माँ को उसकी घरेलू देखभाल के बारे में क्या-क्या बताएँगी ?

1. शिशु को गर्म थैली के प्रयोग से और माँ के पास लिटाकर और/अथवा माँ के शरीर की त्वचा से चिपकाकर रखना
2. 2-2 घंटों में स्तनपान कराना
3. नहलाना नहीं
4. हर बार शिशु को छूने से पहले हाथ धोना
5. खतरे वाले लक्षण देखते ही तुरंत आशाको बुलाना

सातवें दिन जब आशावहाँ गई, उसने पाया कि शिशु ने स्तनपान करना बंद कर दिया है और उसका पेट फूला हुआ है। उसकी साँस तो ठीक चल रही थी, पर उसका रोना कमजोर था।

शिशु में कौनसे लक्षण मौजूद है ? स्तनपान बंद, पेट फुला हुआ, रोना कमजोर

आपने शिशु के रोग का क्या निदान किया ? सेप्सिस

2. रामप्यारी ने जन्म के अनुमानित समय से एक हफ्ते बाद बेटे को जन्म दिया। उसका वजन 2.9 कि.ग्रा. था। वह तन्दुरुस्त और स्वस्थ था। आशा ने रामप्यारी को उसे स्तनपान कराने में मदद की और एक घंटे बाद उसकी जाँच की। दसवें दिन माँ ने बताया कि शिशु ठंडा पड़ रहा है। उसका तापमान 93°F. (33.9°C) पाया गया। वह बहुत सो रहा था, पर दूध पी रहा था और रो भी रहा था। उसका पेट मुलायम था और हाथ-पैर भी ठीक थे। उसकी नाल ठीक हो चुकी थी और वह ठीक से साँस ले रहा था, छाती अंदर धँसी नहीं थी।

दसवें दिन शिशु का तापमान कैसा था? सामान्य / सामान्य से कम

क्या उसे सेप्सिस हुआ है ? हाँ / नहीं

शिशु में कौनसे बिमारी के लक्षण मौजूद है?

माँ कहती है कि शिशु का शरीर ठंडा है, उसका तापमान 93°F. है

अगले दिन आप उसे फिर देखने गई। तब उसका तापमान ठीक था।

शिशु को गर्मी पहुँचाने के लिए आप क्या क्या कर सकती है?

- कमरे का तापमान बढ़ाना
- गीले या ठंडे कम्बल/कपड़े हटाना
- शिशु को माँ के शरीर की त्वचा से चिपकाकर रखना।
- शिशु की पीठ या पेट पर गर्म कपड़ा (इतना गर्म न हो कि जल जाए) रखें। कपड़ा ठंडा होते ही, बदलकर दूसरा गर्म कपड़ा उसके ऊपर रखें। ऐसा तब तक करते रहें जब तक कि शिशु का तापमान सामान्य न हो जाए।
- कपड़े पहनाना, गर्म थैली में रखना, टोपी पहनाना और माँ के पास लिटाना।

3. ताराबाई को चौथा बच्चा होने वाला था। शिशु का जन्म 7 महीने 27 दिन के गर्भकाल पूरा होने पर हुआ और उसका वज़न 1.65 कि.ग्रा. था। शिशु 14 दिन तक स्तनपान नहीं कर पा रहा था। पन्द्रहवें दिन उसने स्तनपान किया।

शिशु जन्म के समय कैसा था ? अधिक खतरे वाला / सामान्य

क्यों ? समय से पूर्व जन्म, कम वज़न का, ठीक से स्तनपान नहीं कर पा रहा।

पहले महीने में आप उसे देखने कितनी बार जाएँगी ? 10 / 13 / 5

पहले दिन आप उसके माता-पिता को क्या सलाह देंगी ?

1. गर्म थैली के प्रयोग से और माँ के पास लिटाकर और/या माँ के शरीर की त्वचा से चिपकाकर शिशु को गर्म रखें।
2. स्तनों को दबाकर दूध निकालें और 2-2 घंटे पर शिशु को चम्मच से दूध पिलाएँ जब तक कि वह ठीक से स्तनपान न करने लगे (उसे प्रतिदिन स्तनों से लगाने की कोशिश करें)
3. उसे नहलाए नहीं
4. हर बार शिशु को छूने से पहले हाथ धोएँ।
5. खतरे वाले लक्षण देखते ही तुरंत आशा को बुलाएँ यदि

सत्रहवें दिन शिशु को दो बार उल्टी हुई पर उसने स्तनपान करना जारी रखा। वह ठंडा नहीं पड़ा था और ठीक से रो भी रहा था। अठ्ठाइसवें दिन उसका वज़न 2 किलो 250 ग्राम हो गया था।

शिशु के वजन के आधारपर आप दूसरे महीने में उसे कैसा मानेगी?

सामान्य / अधिक खतरेवाला

पैंतालीसवें दिन शिशु के हाथ पैर लुंज पुंज थे और माँ ने बताया कि शिशु ठंडा पड़ गया है। आपने मापने पर उसका तापमान 94°फै. (34.4°सें) पाया।

शिशु में कौनसे लक्षण मौजूद है?

हाथ पैर लुंज पुंज थे और माँ ने बताया कि शिशु ठंडा पड़ गया है मापने पर तापमान 94°F .

शिशु को क्या बيمारी हैं? सेप्सिस

किस दिन उसे ऐसा हुआ ? पैतालीसवें दिन